

विदेह वि. (तत्.) 1. बिना देह का, शरीर से रहित, शारीरिक चिंताओं से रहित, बेसुध 2. विरागी, सांसारिकता से निर्लिप्त 3. देवता जिनकी उत्पत्ति माता-पिता से न हो 4. राजा जनक, निमि।

विदेहकुमारी/विदेहजा स्त्री. (तत्.) विदेह पुत्री, अर्थात् सीता, जानकी।

विदेहपुर पुं. (तत्.) राजा जनक की राजधानी, जनकपुर।

विदेही पुं. (तत्.) ब्रह्म, निराकार।

विदोहन पुं. (तत्.) 1. दुहना 2. प्राकृतिक संसाधनों आदि का उपयोग 3. किसी चीज से अत्यधिक लाभ उठाना 4. शोषण जैसे- श्रमिकों का विदोहन।

विद् वि. (तत्.) (समासयुक्त पद के अंत में प्रयुक्त) 1. विद्वान, वेत्ता, जानने वाला जैसे- ज्योतिर्विद्, शास्त्रविद् 2. बुध ग्रह 3. जानना, खोजना, अनुभव करना।

विद्दरनि वि. (तत्.) विदारण करने वाला, किसी वस्तु के टुकड़े करने वाला।

विद्दरात पुं. (तत्.) तोड़ने वाला, विदारण करने वाला जैसे- पर्वत विद्दरनि (पर्वत तोड़ने वाला)।

विद्ध वि. (तत्.) 1. छेदा हुआ, वेधा हुआ 2. जो किसी शस्त्र आदि से आहत या जखमी हो गया हो 3. बाधित, आहत 4. फेंका हुआ 5. घायल पुं. जख्म घाव।

विद्यमान वि. (तत्.) 1. जो उस समय उपस्थित हो, वर्तमान, मौजूद 2. जिसका जगत या समाज आदि में अस्तित्व हो।

विद्या स्त्री. (तत्.) 1. गुरु के पास जाकर नियमित रूप से अध्ययन विधा द्वारा प्राप्त किये जाने वाला ज्ञान 2. ज्ञान-विज्ञान की शिक्षा 3. किसी विषय विशेष का विशिष्ट ज्ञान 4. किसी विषय के ज्ञान की शाख जैसे- भौतिक शास्त्र 5. आत्मा, परमात्मा और प्रकृति का रहस्यमय ज्ञान 6. इंद्रजाल, जादू की विद्या 7. दुर्गा 8. कला 9. नैपुण्य शैव. सृष्टि के छत्तीस

तत्त्वों में से एक, परमशिव की संकुचित परम शक्ति काव्य. एक सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ होती हैं तथा प्रत्येक 14 मात्रा पर यति होती है वि. 1. 'विद्या' के कई प्रकार के भेद माने गए हैं जैसे- (क) विद्या के दो भेद 1-परा (आध्यात्मिकी) 2. अपरा (सांख्य दर्शन) (ख) चार प्रकार की विद्याएँ 1. आन्वीक्षिकी 2. त्रयी 3. वार्ता 4. दण्डनीति, मनु ने इन चारों के साथ पाँचवी विद्या 'आत्म विद्या' को भी परिगणित किया है 5. सामान्यतः भारतीय परंपरा में 14 चौदह विद्याएँ मानी जाती हैं चार वेद, छः वेदांग, धर्म, मीमांसा, तर्क या न्याय, और पुराण।

विद्यादेवी स्त्री. (तत्.) 1. विद्या की अधिष्ठात्री देवी 'सरस्वती' 2. विद्या में निपुणता प्राप्त कोई स्त्री।

विद्यापरिषद् स्त्री. (तत्.) 1. विद्यालयों व विद्यालयों में शिक्षा की व्यवस्था करने वाला एक सरकारी या निजी संस्थान या संस्था 2. शिक्षा के समुचित विकास हेतु बनाई गई शिक्षाविदों की एक उच्च परिषद् या संस्था, शिक्षा-परिषद्।

विद्याकर पुं. (तत्.) 1. विद्या का आकर (भंडार) 2. विद्वान व्यक्ति, पंडित।

विद्यागम पुं. (तत्.) 1. ज्ञान की प्राप्ति 2. विद्यार्जन 3. ज्ञान।

विद्यागुरु पुं. (तत्.) शिक्षक, विद्या पढ़ाने वाला, उस्ताद, अध्यापक।

विद्यागृह पुं. (तत्.) 1. विद्या पढ़ने के लिए गृह, भवन 2. विद्यालय, विद्या मंदिर, पाठशाला।

विद्यादान पुं. (तत्.) 1. किसी को कोई शुल्क लिये बिना शिक्षा प्रदान करना, पढ़ाना 2. शिक्षा देना।

विद्याधन पुं. (तत्.) 1. विद्या रूपी विशेष धन उदा. विद्याधन श्रेष्ठ है 2. विद्या द्वारा अर्जित किया गया धन।

विद्याधर पुं. (तत्.) 1. विद्या को धारण करने वाला कोई व्यक्ति, कोई विद्वान पंडित 2. एक